भगवान शिव के विवाह उत्सव पर बारात आज

महाशिवरात्रि पर्व : शिवालय सजे, धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

हरिभूमि जबलपुर।

महाशिवरात्रि पर्व पर, बन रहे कई खास योग, इन चार शुभ मुहूर्त में अभिषेक कर भोलेनाथ को करें प्रसन्न महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। इस साल भोले बाबा का महापर्व महाशिवरात्रि 15 फरवरी को फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि को मनाई जाएगी। इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन विशेष रूप से शुभ चर्तुग्रही योग बन रहा है। 48 साल बाद फिर महाशिवरात्रि पर्व पर यह योग बने हैं। पंचाग के अनुसार घनिष्ठा नक्षत्र पर परिघ योग, शकुनीकरण और मकर राशि की चंद्रमा की उपस्थिति में शिवरात्रि आ रही है। भगवान शिव के महापर्व को लेकर शहर के शिव मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन शिवलिंग का पंचोपचार पूजन और रात्रि जागरण विशेष फलदायी होता है। इस दिन भगवान शिव की आराधना कई गुना अधिक फल देती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से युवतियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का विवाह उत्सव हैं। देवाधिदेव महादेव भोलेशंकर का महापर्व शिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि आज रविवार 15 फरवरी को नगर में धार्मिक आस्था और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर नगर के शिव मंदिरों, देवालयों में विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

जगमग रोशनी से सजे शिवालय

आकर्षक विद्युत साज सज्जा से नहाए शिवमंदिरों में शिवरात्रि पर्व पर सुबह से लेकर देर रात तक भक्तजनों का जनसैलाब उमड़ेगा। मंदिरों में अभिषेक, पूजन के साथ भजन, कीर्तन का भी दौर चलेगा। कचनार सिटी विजय नगर स्थित बड़े महादेव मंदिर में स्थापित भगवान शिव की भव्य एवं विशालकाय प्रतिमा के समक्ष आज श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ जुटेगी।

भरतीपुर स्थित शिव पार्वती मंदिर से विगत कई वर्षों से निकाली जा रही शिव पार्वती बारात इस साल भी सायंकाल अनेक झांकियों सहित धूम-धाम के साथ निकाली जाएगी। इसी तरह गौरीघाट स्थित साकेत धाम, बड़ा फुहारा स्थित शिव मंदिर, गंजीपुरा शिवमंदिर के अलावा नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में आज शिवरात्रि पर दिन भर भक्तों की भीड़ जुटेगी। घरों में श्रद्धालुजन दिन भर का व्रत रखकर भोलेनाथ का पूजन, अभिषेक करेंगे।

शिव पूजन के अनेक रूप

ज्योतिषाचार्य पं. पीएल गौतमाचार्य के अनुसार शास्त्रों में शिव पूजन के अनेक रूपों की व्यवस्था की गई है। अलग-अलग कामनाओं के आधार पर इनका पूजन विधान भी वर्णित किया गया है परंतु पार्थिव शिवलिंग पूजन का अपना अलग महत्व है। हाथ की लकीरें बदलती हैं शिवलिंग निर्माण में। इस कारण अनेक भक्त मिट्टी के शंकरजी स्वयं बनाते हैं। माना जाता है कि शिवलिंग बनाने में हाथ की दुर्भाग्य रेखायें सौभाग्य रेखा में बदलती हैं।

ऐसे करें पूजन

ज्योतिषाचार्य पं.पीएल गौतमाचार्य ने बताया कि इस व्रत में रात्रि जागरण व पूजन का बड़ा ही महत्व है, इसलिए सायंकाल स्नानादि से निवृत होकर वैदिक मंत्रों द्वारा प्रत्येक पहर में पूर्व या उत्तराभिमुख होकर रूद्रभिषेक करना चाहिए। इसके बाद सुगंधित पुष्प, गंध, चंदन, विल्व पत्र, धतूरा, धूपदीप, भांग, नैवेद्य द्वारा रात्रि के चारों पहर में पूजा करनी चाहिए। घर, शिवालयों में भी पहर में करते हुए ओम नमः शिवाय का जप करना चाहिए।

जगह-जगह भंडारे आयोजित

महाशिवरात्रि पर्व पर जगह-जगह भंडारों के कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। नगर के अति प्राचीन शिवालय स्वयं सिद्ध पीठ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी के बड़े शंकर जी, सिद्धेश्वर महादेव जिलहरीघाट, बड़े शिवालय गंजीपुरा और बड़े महावीर मंदिर, में स्थित शिवालयों में आज महाशिवरात्रि के मेले का आयोजन भी होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचेंगे। गुप्तेश्वर में

भगवान का अद्भुत श्रंगार किया जाएगा, वहीं बड़े शिवालय कचनार सिटी में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने मेला भरेगा। बड़े महावीर फुहारे के पास शिवालय में बाबा अमरनाथ की झांकी भी सजाई जाएगी।

भूत-प्रेत, घोड़े-हाथी सब बनेंगे बाराती

इस अवसर पर परम्परानुसार शिव-पार्वती मंदिर भरतीपुर से सायंकाल भगवान भोलेनाथ की आकर्षक बारात निकाली जाएगी। बारात में भूत-प्रेत, घोड़े-हाथी और अन्य बाराती भी शामिल होंगे। भगवान की मनमोहक झांकियां बारात में प्रस्तुत की जाएंगी। श्रीशिव पार्वती प्राचीन सिद्ध मंदिर अखण्ड मानस महायज्ञ सेवा समिति के तत्वावधान में सायं 6 बजे भरतीपुर सोनकर (खटीक) समाज द्वारा शिव पार्वती शोभायात्रा (बारात) जुलूस शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर से धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। शोभायात्रा में विभिन्न झांकिया आकर्षण का केन्द्र होंगी। शोभायात्रा भरतीपुर से ओमती, तुलराम चौक, करमचंद चौक, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, कोतवाली, मिलौनीगंज, हनुमानताल, भानलैया, घमापुर चौक, लकड़गंज, दर्शन चौक होते हुए शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर पहुंचेगी जहां भगवान शिव-पार्वती का विवाह संपन्न होगा।

प्रमुख मंदिरों में उमड़ेगी भीड़

महाशिवरात्रि पर शहर के प्रमुख मंदिर शिव मंदिर कचनार सिटी, गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, रामेश्वरम् महादेव मंदिर साकेतधाम गौरीघाट मंदिर, गैबी नाथ मंदिर पिसनहारी मढ़िया, सर्वमंगला गौरीशंकर मंदिर मिल्क स्कीम, शाहनाला शिव मंदिर, सहित अन्य शिवालयों में भारी भीड़ उमड़ेगी। महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत शिव मंदिर कचनार सिटी में आज से अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ हो गया है। सुबह भगवान शिव के रुद्राभिषेक के बाद राम दरबार का पूजन-अर्चन किया गया। इसके साथ ही साकेत धाम गौरीघाट एवं प्रज्ञाधाम कटंगी में भी शिवरात्रि महोत्सव के तहत विभिन्न अनुष्ठान हो रहे हैं। इसके साथ ही गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

एसईसीएल कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई, 60 दिनों में निर्णय लेने के निर्देश

वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट पर अवांछनीय ग्रेडिंग को चुनौती

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकल पीठ ने दक्षिण पूर्वी कोल फील्ड्स लिमिटेड के छह कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि याचिकाकर्ताओं को 15 दिनों के भीतर नया प्रतिवेदन प्रस्तुत करने और संबंधित अधिकारी को 60 दिनों में उस पर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। धनपुरी शहडोल निवासी याचिकाकर्ताओं राजनीश कांत खरे, राकेश कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार गौतम, शरद गुप्ता, राजेश कुमार चंद्रवंशी और नीरज कच्छ ने अपनी सेवा संबंधी गोपनीय रिपोर्ट में अवांछनीय ग्रेडिंग को चुनौती दी थी और वर्ष 2023-24 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) के पुनर्मूल्यांकन कर पदोन्नति की मांग की है।

सभी याचिकाकर्ता एस ई सी एल की सोहागपुर क्षेत्र की डामिनी यूजी खदान में माइनिंग सरदार और ओवरमैन के पद पर कार्यरत हैं। उनका सेवा रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उनकी उपस्थिति भी उत्कृष्ट रही है। याचिकाकर्ता राजनीश कांत खरे को वर्ष 2023-24 का सर्वश्रेष्ठ माइनिंग सरदार पुरस्कार भी मिला था।याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें और डामिनी यूजी खदान के लगभग 80% कर्मचारियों को वर्ष 2023-24 के लिए मनमाने ढंग से औसत ग्रेडिंग दी गई। यह ग्रेडिंग उनके वास्तविक प्रदर्शन के विपरीत है और इससे उनकी पदोन्नति अवरुद्ध हो गई है।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रतिवेदन प्रस्तुत किए, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। उनके संघ ने भी 28 जुलाई 2025 को एसीआर में हेरफेर की आशंका जताते हुए इसकी समीक्षा की सिफारिश की। याचिकाकर्ताओं ने आरटीआई के तहत भी जानकारी मांगी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, पंकज तिवारी, विनीत टेहेनगुनिया, शुभम पाटकर ने पैरवी की।

अस्पताल प्रबंधन के विरूद्ध जिला, पुलिस और निगम प्रशासन की संयुक्त रूप से की गई बड़ी कार्रवाई

24 घंटे का नोटिस जारी, एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया

जबलपुर। उच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन करते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शहर के अस्पतालों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों की जांच के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।। इसी कड़ी में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य शहरवासियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।

कारवाई के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि कटंगी बायपास स्थित अस्पतालों के औचक निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि मंगलम हॉस्पिटल और हेल्थ सिटी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ई.टी.पी. अपशिष्ट उपचार संयंत्र संचालित नहीं थे। सबसे गंभीर विषय तब सामने आया जब अस्पताल स्टाफ को बायोमेडिकल वेस्ट खुले में जलाते हुए पाया गया, जो कि पर्यावरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। नियमों के उल्लंघन पर अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध 1 लाख रुपये का चालान काटा गया। प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया है, 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब न मिलने पर अस्पताल को सील करने की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त कार्रवाई में स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की साइंटिस्ट रक्षा रहांगडाले और अमिया एक्का आदि उपस्थित रहे।

कालेज में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

जबलपुर। नचिकेता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सहयोग से 13 फरवरी 2026 को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. दीप्ति गुप्ता रहीं, जबकि डॉ. बरखा परमार ने स्वास्थ्य जांच सत्र में सक्रिय सहभागिता की। शिविर में बीपी, शुगर, बीएमआई जांच, चिकित्सकीय परामर्श के साथ विश्व एनीमिया दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच भी की गई तथा आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संचालक डॉ. अनुपम राव एवं प्रबंध संचालक श्रीमती श्रद्धा राव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आयोजन डॉ. गरिमा चौबे (प्राचार्य) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। रेड रिबन क्लब से प्रो. श्री अंकित खुरासिया (नोडल अधिकारी) एवं प्रो. अभिषेक बेंजामिन ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्री रमाकांत रजक ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षण एवं अशिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मध्यस्थता का मूल तत्व संवादः जस्टिस जेके माहेश्वरी

अधिवक्ता परिषद द्वारा शीघ्र एवं प्रभावी न्याय पर आयोजित की गई न्यायपथ कार्यशाला

जबलपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद द्वारा होटल आईटीसी वेलकम, तिलवारा रोड में आयोजित न्यायपथ कार्यशाला में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में मध्यस्थता का प्रमुख स्थान है। उन्होंने बताया कि विवादों का त्वरित और प्रभावी निराकरण संवाद के माध्यम से संभव है। जस्टिस माहेश्वरी ने बताया कि पूर्व में भी मध्यस्थता द्वारा ही त्वरित न्याय की व्यवस्था रही है और आज भी मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम के प्रावधान इसी उद्देश्य को सुदृढ़ करते हैं। कार्यशाला में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मध्यस्थता एवं सुलह परंपरागत रूप से न्याय प्रदान करने का प्रमुख माध्यम रही है। उन्होंने धारा 11 का उल्लेख करते हुए बताया कि इससे पक्षकार आपसी सहमति से मध्यस्थ चुनकर न्याय प्रक्रिया को सुचारू बना सकते हैं। कार्यशाला के अन्य प्रमुख वक्ताओं में प्रशासनिक न्यायाधिपति विवेक रूसिया, न्यायमूर्ति आनंद पाठक, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधिपति संजय एस अग्रवाल, भारत सरकार के अतिरिक्त महान्यायवादी सुनील जैन और अधिवक्ता परिषद के महासचिव विक्रम दुबे शामिल थे। अंतिम सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने संघ की 100वीं वर्षगांठ और न्याय क्षेत्र में संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला। मंचासीन सदस्य थेः प्रदीप सिंह सेंगर, नीलम दत्त और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता। कार्यशाला में अनेक अधिवक्ता और न्यायविद उपस्थित रहे, जिन्होंने मध्यस्थता के महत्व और त्वरित न्याय प्राप्ति में इसके योगदान पर विचार साझा किए।

"ऋतु रंग नाट्य महोत्सव 2026" का हुआ गरिमामय समापन

जबलपुर। ऋतु रंगशाला आर्ट कल्चर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय "ऋतु रंग नाट्य महोत्सव 2026" का समापन संस्कृति मंत्रालय दिल्ली, संस्कृति संचालनालय भोपाल एवं शहीद स्मारक ट्रस्ट समिति के सहयोग से हुआ। अंतिम दिन आनंद मिश्रा के निर्देशन में कालजयी नाटक "एक कंठ विषपायी" का मंचन किया गया। नाटक में दक्ष द्वारा भगवान शिव के अपमान, सती के आत्मदाह एवं शक्तिपीठों की स्थापना की कथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समापन अवसर पर गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश एवं सांसद प्रतिनिधि पंकज चौथी उपस्थित रहे। संस्था के निर्देशक प्रवीण नामदेव एवं सचिव ने दर्शकों, कला-प्रेमियों और साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अगले वर्ष और भव्य आयोजन की घोषणा की।

नगर निगम की सुहागी एवं रांझी में बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के सभी 16 संभागों में बकाया राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज संभाग क्रमांक 15 सुहागी और 10 रॉझी के द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के कारण करदाताओं ने मौके पर ही बकाया राशि का अंशिक रूप से भुगतान किया गया। वसूली अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 72 में एक बड़े बकायादार के विरुद्ध सख्त कदम उठाते हुए निगम की टीम ने 2 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली हेतु कुर्की का नोटिस जारी किया। प्रशासन की इस सख्ती को देखते हुए बकायादार ने तत्काल सक्रियता दिखाई और मौके पर ही 50 हजार रुपये की राशि निगम कोष में जमा कराई। शेष राशि के भुगतान के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार संभाग क्रमांक 10 रॉझी के अंतर्गत महर्षि सुदर्शन वार्ड के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई के दौरान 32 हजार 61 रूपये का चेक प्राप्त किया गया। वसूली की कार्यवाही के समय राजस्व अधिकारी आनंद मिश्रा, संभागीय अधिकारी संतोष अग्रवाल, नरेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक शिरीष उपाध्याय, सहा. राजस्व निरीक्षक प्रिया पाठक, राजेश डेनियल आदि उपस्थित रहे।

हिन्दू सेवा परिषद् का वैलेंटाइन डे पर शहर में रहा पहरा

जबलपुर। हिन्दू सेवा परिषद् तत्परता के साथ अश्लीलता फुहाड़ता एवं लव जिहाद के विरुद्ध कार्य रहता है ,इसी कड़ी में इस वर्ष भी वैलेंटाइन डे पर लव जिहाद करने वाले एवं अश्लीलता फैलाने वाले प्रेमी जोड़े पर अंकुश लगाने हेतु प्रातः भंवर लाल उद्यान में ताले लगाए गए तथा प्रदर्शन कर वैलेंटाइन डे का विरोध किया गया। इसलिए हिन्दू सेवा परिषद् ने शहर के मुख्य उद्यानों में पहरे दिए एवं भंवरताल गार्डन में तालाबंदी कर जोड़ों को खदेड़ा गया और पश्चिमी पद्धति का पुरजोर विरोध किया। हिन्दू सेवा परिषद के प्रखंड प्रमुख अभिषेक अहिरवार ने बताया कि आज हर परिवार में माता-पिता अपने बच्चों से इसीलिए भी परेशान है क्योंकि उनके अंदर भारतीय संस्कृति की कमी आ रही है तथा भारतीय संस्कृति दूषित हो रही है इसलिए यह विरोध प्रदर्शन अति आवश्यक है। इस प्रदर्शन के दौरान हिंदू सेवा परिषद के अभिषेक अहिरवार, अंकित विश्वकर्मा, उमेश रजक, मुकेश गुप्ता, ओम अहिरवार, सन्नी सोनकर एवं अन्य उपस्थित थे।

पुष्पावती नगरी में ध्वजारोहण के साथ वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

जबलपुर। शुक्रवारी बजरिया हनुमानताल स्थित श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज एवं वेदी सूतन रामडिम मूरी परिवार के तत्वावधान में पुष्पावती नगरी फूटाताल में प्रारंभ हुआ। मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया कि मेला नायक के रूप में जिनशासन पुष्प परिवार (जबलपुर, सागर, नागपुर, भोपाल) ने ध्वजारोहण किया। भाईजी कुंडा वाला परिवार ने तीनों वेदी हेतु चांदी की चौकी भेंट की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक विनय सक्सेना एवं मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समवशरण मंडप में मंदिर विधि, दान प्रभावना एवं जिनवाणी चल समारोह निकाला गया। संगमरमर की वेदियों पर विधि-विधान से स्थापना की गई। संध्या में भक्ति, प्रवचन तथा महिला मंडल व बालकों द्वारा 'महासती सीता की अग्नि परीक्षा' नाटक की प्रस्तुति दी गई। वहीं, महोत्सव के दूसरे दिन 14 फरवरी को सामायिक, मंत्र जाप, प्रवचन, पालकी शोभायात्रा, कलशारोहण के साथ रात्रि में उस्मानपुर दिल्ली के भजन गायक संजीव जैन की भजन संध्या हुई। समिति के सतीश समैया, शरद समैया, दीपक राज जैन, सीए राहुल जैन, राजू परासिया, मनोज मंटू कुंडा वाले, पं. संतोष जैन भाईजी, जतिन समैया, प्रियंक समैया एवं राजेश दिगंबर ने समाजजन से सहभागिता की अपील की है।

सिहोरा में महाशिवरात्रि पर भव्य आयोजन

सिहोरा। महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को बाबाताल शिवमंदिर से शिवजी की भव्य बारात निकाली जाएगी। बारात शाम 5:30 बजे शुरू होकर पुराना बस स्टैंड, गौरी तिराहा, आजाद चौक, झंडा बाजार, काल भैरव चौक, मैना कुंआ और हरदौल मंदिर होते हुए शुभारंभ स्थल पर पहुँचेगी। मंदिर में शिवलिंग निर्माण, ध्वज यात्रा, महाआरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं द्वारा मंडप में हल्दी रस्म और मेंहदी संगीत की रस्म पहले ही पूर्ण की गई। उपनगर खितौला के नरसिंह मंदिर में भी शिवजी का पूजन, अर्चन और रुद्राभिषेक आयोजित होंगे। पाटन में जय मातेश्वरी भक्त परिवार के तत्वावधान में 14 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक का आयोजन ज्ञान विजय परिसर, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के पास सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1413/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जय सिंह (अन्य) S/o स्व. तेज सिंह नि.-370/5 परेल लाईन राम मंदिर के पास ने नजूल ब्लाक नं.-प्लाट नं.- रकवा 1512 व.फु./हे. ग्राम भडपुरा प.ह.नं.-25 खसरा नं.-19/1,19/6 रकवा 1512 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- 09/01/2018 मृत्यु दिनांक-29/09/2021 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।
प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- रकवा-1512 व.फु.हे. / ग्राम- प.ह.नं.-25 खसरा नं.-19/1,19/6 रकवा-1512 व.फु./हे. पर के नाम दर्ज है।
अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 23/02/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 06/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-06/02/2026
पेशी दिनांक-23/02/2026
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. JC-775089L RANK - SUB NAME GHADAGE NARENDRA DHONDIRAM S/O DHONDIRAM BHAGUJI GHADAGE OF UNIT 506, ARMY BASE WKSP, RANJHI, JABALPUR (MP) I, have changed name of my **SON**, from **AJAY N GHADAGE** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **AJAY NARENDRA GHADAGE** (name as per my **SON, AADHAR CARD NO. 5666 5800 5689, AND EDUCATIONAL DOCUMENTS)** vide affidavit dated **13/02/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
AJAY NARENDRA GHADAGE
INCORRECT NAME
AJAY N GHADAGE

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. JC-775089L RANK - SUB NAME GHADAGE NARENDRA DHONDIRAM S/O DHONDIRAM BHAGUJI GHADAGE OF UNIT 506, ARMY BASE WKSP, RANJHI, JABALPUR (MP) I, have changed name of my **DAUGHTER**, from **MADHAVI** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **MADHAVI NARENDRA GHADAGE** (name as per my **DAUGHTER, AADHAR CARD NO. 9019 7092 9758, EDUCATIONAL DOCUMENTS AND BIRTH CERTIFICATE)** vide affidavit dated **13/02/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
MADHAVI NARENDRA GHADAGE
INCORRECT NAME-MADHAVI

CHANGE OF NAME
I, **GHADAGE ROHINI NARENDRA** (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No **JC-775089L Rank - SUB Name GHADAGE NARENDRA DHONDIRAM** presently, residing at **VILL-MATAJI CHOWK NASHIK, PO- MATAJI CHOWK, TEH-NASHIK, DISTT- NASHIK (MAHARASHTRA)-521734** I, have changed of my name from **GHADAGE ROHINI NARENDRA** (name as per my **HUSBAND, ARMY SERVICE RECORDS**) to **ROHINI NARENDRA GHADAGE** (name as per my **AADHAR CARD NO. 4929 1738 5825)** vide affidavit dated **13/02/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
ROHINI NARENDRA GHADAGE
INCORRECT NAME
GHADAGE ROHINI NARENDRA

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तर्क-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण

निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कब और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चेन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वैलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

खरीद के बाद पछतावा भी बड़ा संकेत

सर्वे की सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि सोना खरीदने के बाद बड़ी संख्या में युवा उपभोक्ता असमंजस या पछतावा महसूस करते हैं। करीब 67.1% उत्तरदाताओं ने माना कि उन्हें अक्सर या कभी-कभी सोना खरीदने के बाद पछतावा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खरीदी गई कीमत (38.9%) रही, जबकि 33.5% लोगों ने ज्वैलरी, सिक्के या डिजिटल गोल्ड जैसे फॉर्मेट को लेकर भ्रम को कारण बताया। वहीं 18.8% ने पर्याप्त जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। यह ट्रेंड दिखाता है कि सोने पर भरोसा मजबूत है, लेकिन खरीद प्रक्रिया को लेकर युवाओं का आत्मविश्वास अभी भी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है।

भविष्य में सोना खरीदने का इरादा

लोग भविष्य में भी खूब सोना खरीदना चाहते हैं। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि भविष्य में सोना खरीदने का इरादा बहुत मजबूत है। 52.7% उत्तरदाता अगले 12 से 24 महीनों में सोना खरीदने के लिए "बहुत संभावना" दिखाते हैं। कुल मिलाकर सोने का स्थान युवा भारतीयों के बीच अब भी अडिग है, हालांकि खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। छोटे निवेश, व्यक्तिगत निर्णय और पारंपरिक खरीदारी चैनल्स में भरोसा दर्शाता है कि सोना का आकर्षण मजबूत है और आने वाले समय में भी यह सुरक्षित निवेश के रूप में रहेगा।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी
बिजनेस डेस्क

- तेजी से महंगी हो रही पढ़ाई, अभी नहीं संभले तो पड़ेगा भारी
- एसआईपी समेत कई निवेश विकल्पों के बारे में सोचना होगा
- एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति बनानी होगी

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोटा है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश को सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एप्लिकेशन फीस, इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबराएं

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बच्चे खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजरअंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है।

नियमित समीक्षा करें

हर साल अपनी योजना की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है, तो **SIP** की राशि भी बढ़ाएं। अगर लक्ष्य की लागत बदलती है या बच्चे की रुचि अलग दिशा में जाती है, तो योजना में संशोधन करें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पहले से तैयारी करना अनिवार्य हो गया है। केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश, जोखिम प्रबंधन और समय पर समीक्षा ही मजबूत शिक्षा फंड का आधार बनते हैं। जल्दी शुरुआत, विविध निवेश, महंगाई का सही अनुमान और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन ये सभी कदम मिलकर आपके बच्चे के सपनों को साकार कर सकते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले जान लें अहम टिप्स

आर्थिक रूप से रहेंगे मजबूत

- अपने वेतन का करीब 20 फीसदी शुरू से ही निवेश करें
- अपना बजट बनाएं, लक्ष्य तय करें और गैरजरूरी खर्चों से बचें
- सैलरी 10% बढ़ती है, तो कम से कम 5% अतिरिक्त निवेश करें
- व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें, यह बीमारी में काम आएगा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लाखों युवाओं के लिए करियर की शुरुआत उत्साह और सपनों से भरी होती है। अच्छी सैलरी, कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते अवसर आकर्षित करते हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक सच्चाई भी है प्राइवेट नौकरी में सरकारी कर्मचारियों जैसी पेंशन, स्थायी सुरक्षा या व्यापक सामाजिक लाभ अक्सर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में यदि वित्तीय योजना मजबूत न हो, तो भविष्य असुरक्षित हो सकता है। करियर की शुरुआत में की गई छोटी वित्तीय गलतियां समय के साथ बड़ी समस्या बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि शुरुआत से ही सतर्क रहें और कुछ सामान्य लेकिन गंभीर वित्तीय भूलों से बचें।

अनियंत्रित जीवनशैली की शुरुआत

अक्सर युवा नौकरी लगते ही खर्च की आजादी का आनंद लेने लगते हैं। सैलरी आते ही किराया, घूमना-फिरना, गैजेट्स और ऑनलाइन शॉपिंग पर पैसा खर्च हो जाता है। लेकिन यदि आय और खर्च का स्पष्ट बजट न हो, तो बचत पीछे छूट जाती है। वित्तीय स्थिरता की पहली शर्त है बजट बनाना। 50-30-20 फॉर्मूला एक आसान तरीका है। इसमें 50% आय जरूरी खर्चों के लिए, 30% लाइफस्टाइल और शौक के लिए तथा 20% बचत और निवेश के लिए रखा जाता है। समस्या तब होती है जब लोग बचत वाले हिस्से को टाल देते हैं। कई बार दिखावे या सामाजिक दबाव में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। याद रखें, कमाई से ज्यादा जरूरी है पैसे का प्रबंधन।

वेतन बढ़ा, बचत नहीं

प्राइवेट सेक्टर में समय-समय पर इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिलते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि वेतन बढ़ते ही खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। नई कार, महंगा मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, बार-बार ट्रैवल ये सब बढ़ती आय के साथ जुड़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बचत की दर स्थिर ही रहती है या घट जाती है। समझदारी यह है कि हर वेतन वृद्धि के साथ निवेश भी बढ़ाया जाए।

निवेश को टालना

अभी तो करियर की शुरुआत है, बाद में निवेश करेंगे यह सोच सबसे खतरनाक है। निवेश में समय सबसे बड़ा हथियार है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। मान लीजिए कोई व्यक्ति 25 साल की उम्र से हर महीने 5,000 रुपये एसआईपी में निवेश करता है और दूसरा 35 साल की उम्र से 10,000 रुपये। लंबे समय में पहले व्यक्ति का फंड अधिक हो सकता है, क्योंकि उसे 10 साल का अतिरिक्त समय मिला। प्राइवेट नौकरी में पेंशन की गारंटी नहीं होती। इसलिए रिटायरमेंट फंड बनाना आपकी जिम्मेदारी है। म्यूचुअल फंड एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य लंबी अवधि के साधनों में नियमित निवेश जरूरी है।

इमरजेंसी फंड की अनदेखी

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की स्थिरता सीमित हो सकती है। अचानक छंटनी, कंपनी बंद होना या व्यक्तिगत कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। ऐसे समय में यदि इमरजेंसी फंड न हो, तो आपको कर्ज लेना पड़ सकता है या निवेश तोड़ना पड़ सकता है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि रखें।

बीमा को हल्के में लेना

कई लोग सोचते हैं कि कंपनी द्वारा दिया गया ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पर्याप्त है। लेकिन नौकरी बदलते ही यह सुविधा खत्म हो सकती है। इसलिए व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। इसके अलावा, यदि परिवार आप पर निर्भर है, तो टर्म लाइफ इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा देता है।

कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग और पर्सनल लोन लेना भी बड़ी वित्तीय गलती है। 18% से 36% तक ब्याज दर आपकी बचत को खत्म कर सकती है। कर्ज लें तो केवल जरूरी जरूरतों के लिए, जैसे होम लोन।

अनुशासन ही असली सुरक्षा

प्राइवेट नौकरी में अवसर बहुत हैं, लेकिन जोखिम भी कम नहीं। यहां भविष्य की सुरक्षा आपके अपने हाथ में है। बजट बनाना, लाइफस्टाइल पर नियंत्रण, समय पर निवेश, पर्याप्त बीमा और इमरजेंसी फंड ये पांच स्तंभ आपकी आर्थिक मजबूती की नींव हैं। वहीं, आज का अनुशासन आपको आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति दे सकता है।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश 106% बढ़ा
- शेयर बाजार में इन दिनों खूब दिख रही उठापटक
- आम निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ

जानकारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुलांचे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इक्विटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

इक्विटी फंड्स में कौन पहली पसंद

जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इक्विटी फंडों में, फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस्ड फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लार्जकैप फंड और सेक्टोरल/थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया।

डेट फंड का चला जादू

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड से 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया।

हाइब्रिड फंड में भी रौनक

बीते जनवरी महीने के दौरान हाइब्रिड फंड में 17,356 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 10,755 करोड़ रुपये की तुलना में 61% ज्यादा है। पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 98% बढ़ा है, जब 8,767 करोड़ रुपये का निवेश आया था। हाइब्रिड फंड की छह श्रेणियों में से, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड में सबसे ज्यादा 10,485 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद आर्बिट्रेज फंड में 3,293 करोड़ रुपये आए। आर्बिट्रेज फंड में तो पिछले महीने के मुकाबले निवेश में 2,507% की भारी बढ़ोतरी हुई, जो दिसंबर 2025 में सिर्फ 126 करोड़ रुपये था। हालांकि, इक्विटी सेविंग्स फंड और कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में पिछले महीने के मुकाबले क्रमशः 81% और 35% की गिरावट आई।

ईटीएफ में खूब हुआ निवेश

अन्य स्कीमों, जिनमें ईटीएफ और इंडेक्स फंड जैसे पैसिव फंड शामिल हैं, में जनवरी में 39,954 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 26,723 करोड़ रुपये से 50% ज्यादा है। गोल्ड ईटीएफ में तो सबसे ज्यादा 24,039 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो पिछले महीने के मुकाबले 106% ज्यादा है। हो सकता है कि सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की वजह से निवेशक इस ओर आकर्षित हुए। अन्य ईटीएफ में 15,005 करोड़ रुपये का निवेश आया। विदेशों में निवेश करने वाले फंड-ऑफ-फंड में भी भारी उछाल देखा गया।

चालीस की उम्र में कर रहे हैं रिटायरमेंट प्लानिंग तो अपना लें ये अहम टिप्स

इस उम्र में भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती हैं, अच्छी रणनीति बनाकर निवेश करेंगे तो नहीं होगी परेशानी, भविष्य सुरक्षित रहेगा।

शुरुआत
बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट प्लानिंग अक्सर लोग 50 की उम्र के बाद शुरू करने की सोचते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि 40 की उम्र वह मोड़ है, जहां से भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती है। यह उम्र आमतौर पर करियर का सबसे स्थिर और आय का सबसे मजबूत दौर होता है। आमदनी अपने शिखर की ओर बढ़ रही होती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई, होम लोन की ईएमआई, माता-पिता की देखभाल और जीवनशैली से जुड़े खर्च। ऐसे में यदि आपने अब तक रिटायरमेंट के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है, तो अब वक्त है इसे प्राथमिकता देने का। 40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब है सीमित समय में अधिक प्रभावी रणनीति अपनाना। आपके पास अब 20–25 साल का कार्यकाल बचा हो सकता है। इस दौरान सही निवेश, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन से आप एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी आय, खर्च, ईएमआई, मौजूदा निवेश और बीमा की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझें। हर महीने कितना पैसा बचता है और कितना खर्च होता है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। इसके साथ ही महंगाई दर, भविष्य के मेडिकल खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाएं कि आपको कितनी रकम की जरूरत होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान खर्च का कम से कम 70–80% हर महीने चाहिए होगा।

सबसे पहले आय, खर्च, ईएमआई व निवेश की स्थिति समझें

रिटायरमेंट को प्राथमिकता बनाएं

अक्सर लोग बच्चों की पढ़ाई या घर खरीदने को प्राथमिकता देते हैं और रिटायरमेंट को टालते रहते हैं। लेकिन याद रखें, बच्चों को शिक्षा के लिए लोन मिल सकता है, रिटायरमेंट के लिए नहीं। ईपीएफ, पीपीएफ, एनपीएस और म्यूचुअल फंड एसआईपी जैसे साधनों में नियमित निवेश बढ़ाएं। कोशिश करें कि अपनी आय का कम से कम 15–25% हिस्सा रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो हर साल आय बढ़ने के साथ निवेश राशि भी बढ़ाएं।

महंगे कर्ज से जल्दी छुटकारा पाएं

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर 12% से 24% तक ब्याज देना आपकी संपत्ति निर्माण की क्षमता को कमजोर करता है। ऐसे कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें। होम लोन अपेक्षाकृत सस्ता होता है, लेकिन यदि अतिरिक्त राशि उपलब्ध हो तो प्री-पेमेंट जरूर करें। कर्ज मुक्त जीवन रिटायरमेंट की दिशा में बड़ा कदम है।

इमरजेंसी फंड बनाना न भूलें

रिटायरमेंट निवेश के साथ-साथ एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना भी जरूरी है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें। यह फंड अचानक नौकरी छूटने, बीमारी या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे आपको निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

टैक्स प्लानिंग से बढ़ाएं बचत

सही टैक्स प्लानिंग से आप अपनी निवेश क्षमता बढ़ा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी, एनपीएस में अतिरिक्त निवेश (80सीसीडी(1बी), हेल्थ इंश्योरेंस (80डी) और कैपिटल गेन प्लानिंग का लाभ उठाएं। टैक्स बचत केवल बचत नहीं है, बल्कि आपके भविष्य के लिए अतिरिक्त निवेश का अवसर है।

पर्याप्त बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें

40 की उम्र में परिवार आप पर निर्भर होता है। इसलिए पर्याप्त टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें, जो कम से कम आपकी वार्षिक आय का 10–15 गुना हो। साथ ही, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी रखें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ते हैं। समय-समय पर अपनी पॉलिसी की समीक्षा करना भी जरूरी है। बच्चों की शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इसे रिटायरमेंट की कीमत पर पूरा करना समझदारी नहीं है। शिक्षा के लिए अलग निवेश योजना बनाएं, जैसे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड या चाइल्ड प्लान। ध्यान रखें कि लंबी उम्र एक बड़ा वित्तीय जोखिम है। यदि रिटायरमेंट फंड पर्याप्त नहीं होगा, तो बाद में आर्थिक निर्भरता की स्थिति बन सकती है।

नियमित समीक्षा सफलता की कुंजी

रिटायरमेंट प्लानिंग एक बार का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर प्रक्रिया है। हर साल अपने निवेश, खर्च और लक्ष्यों की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है या जिम्मेदारियां कम होती हैं, तो निवेश की गति बढ़ाएं। पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का संतुलन उम्र के अनुसार रखें। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आए, जोखिम कम करते जाएं।

स्पष्ट रणनीति अपनाएं

40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करना देर नहीं है, बशर्ते आप अनुशासित और स्पष्ट रणनीति अपनाएं। सही दिशा में उठाया गया कदम आपको आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन दे सकता है। याद रखें, रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, बल्कि जीवन का नया अध्याय है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू होती है।

अद्भुत रहस्यों को संजोय है रुपनाथ धाम, सम्राट अशोक का छिपा है खजाना

भगवान शिव ने प्यास बुझाने तीन कुंड किये थे निर्मित रुपनाथ धाम से सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर धाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती के विवाहोत्सव का पावन पर्व महाशिवरात्रि आज रविवार को मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर जिले भर के शिव मंदिरों में विविध आयोजन होंगे। बहोरीबंद स्थित रुपनाथ धाम अपने अद्भुत रहस्यों को संजोय रखा है जो अपनी कविंदतियो को लेकर जाना जाता है। रुपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर्व पर विविध आयोजन होंगे। बड़ी संख्या मे भक्तो का जनसैलाब उमड़ेगा जहां पूजन अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की जाएगी।

रुपनाथ धाम की यह किवंदती है कि यहां पर भोले बाबा की गुफा देखने के लिए मिलती है जिसमें शिवलिंग विराजमान है। रूपनाथ मंदिर में पार्वती माता का मंदिर भी बना हुआ है। यहां पर पहाड़ी के किनारे मंदिर बने है। यहां पर पहाड़ी के किनारे तीन कुंड देखने के लिए मिलते हैं। इन कुंड को राम कुंड, लक्ष्मण कुंड और सीता कुंड के नाम से जाना जाता है।

रुपनाथ धाम में प्राचीन अभिलेख भी देखने के लिए मिलता है। यह अभिलेख सम्राट अशोक का है। बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार करने के लिए, सम्राट अशोक यहां पर आए थे।वर्तमान मे पूरा परिसर पुरातत्व विभाग के अधीन है।

सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर

रूपनाथ धाम में एक सुरंगी रास्ता है मौजूद है जो यह रास्ता बांदकपुर के जागेश्वरधाम तक पहुंचता है।भगवान शिव इसी गुफा के रास्ते बांदकपुर के जागेश्वर नाथ गए थे। हालांकि यह रास्ता कई वर्षों से बंद है। लोगों को सुरंगी गुफा के भीतर जाना प्रतिबंधित है। एक ओर जहां रूपनाथ अर्थात भगवान भोलेनाथ का मंदिर है तो वहीं दूसरी ओर यहां श्रीराम, सीता व लक्ष्मण नाम के तीन कुंड भी हैं, जिनमें जल स्तर बारह महीनों बना रहता है। वहीं रूपनाथ धाम प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है। रूपनाथ धाम को लेकर एक धार्मिक किवदंती भी यह है कि यहां भगवान शिव की बारात रूकी थी। बारातियों की प्यास बुझाने के लिए भगवान शिव की कृपा से यहां तीन कुंड निर्मित हुए थे जिन्हें आज श्रीराम कुंड, सीता कुंड व लक्ष्मण कुंड के नाम से जाना जाता है। यह तीनों कुंड एक इमारत के पहले, दूसरे व तीसरे तल की तरह हैं।इस स्थान पर प्राकृतिक सौंदर्य की छटा भी चारों ओर बिखरी हुई है। जहां एक ओर यहां धार्मिक आस्था से जुड़े लोग पहुंचते हैं तो वहीं दूसरी ओर सैलानियों का भी यहां आना जाना बना ही रहता है। वहीं यहां पर अशोक सम्राट के रहने के निशान और विशेष लिपि में लिखे गए शिलालेख पुरात्व की कहानी बखान रहे हैं।

आज होंगे विविध कार्यक्रम

रूपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर भव्य विवाह महोत्सव मनाया जायेगा!आयोजन की शुरुआत दोपहर 12 बजे भजन-कीर्तन से होगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे हल्दी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 3 बजे भगवान की बारात निकलेगी और 3:30 बजे जयमाला का कार्यक्रम होगा। शाम 4 बजे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा, जबकि शाम 5:30 बजे महा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं पहुंचने अपील की है

दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र ग्राम रोहिनया में एक दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से पीट दिया। मारपीट में घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया है। घटना 12 फरवरी की है। पुलिस के अनुसार एक बालिका दीपांशु गुप्ता की किराना दुकान पर 5 का सिक्का लेकर बिस्कुट लेने गई थी दिवांशु गुप्ता ने लड़की को बिस्किट नहीं दिया वह रोते हुए घर वापस आ गई। बिठोलिया बाई ने दुकान पर जाकर पूछा कि लड़की को बिस्किट क्यों नहीं दिया तो उसने कहा सिक्का खराब है दूसरा लाओ। पीड़िता ने बोला की लड़की रो रही है आप बिस्कुट दे दो तो दीपांशु गुप्ता गाली गलौज करने लगा।

महिला ने गाली देने का विरोध करने पर उसने डंडा निकालकर विमला बाई और बिठौलिया बाई पर हमला कर दिया जिससे वह दोनों लहुलुहान होकर गिर पड़ी। आरोपित दीपांशु गुप्ता जल्दी से दुकान बंद कर कर भाग गया। घायलों को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चोट अधिक होने के चलते दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शिकायत पर बड़वारा पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 (b) BNS 2023 की धारा 115(2) BNS 2023 धारा 351 (2) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 3(1) द , 3(1) ध, 3(2) va के तहत मामला दर्ज किया है। भीम आर्मी उपाध्यक्ष जय सूर्यवंशी ने पुलिस से निष्पक्ष कार्यवाही कर पीड़ितों को न्याय दिलाने मांग की है।

पुलिस पर पथराव मामले में 15 पर मामला दर्ज

स्लीमनाबाद। थाना स्लीमनाबाद अंतर्गत बंधी रेलवे गेट पर गुरुवार रात हाईवा की टक्कर से बाईक सवार 2 लोगों की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ द्वारा पुलिस वाहन पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त करने के मामले मै पुलिस ने करीब 15 अज्ञात व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया है। साथ ही वायरल वीडियो में जो व्यक्ति पथराव करते देखे जा रहे है उनको पुलिस द्वारा उनको पकडकर स्लीमनाबाद थाना ले आ गया है ओर उनसे पूछताछ कर इस पथराव घटना में शामिल अन्य लोगो के बारे में पूछताछ की गई!इस मामले मै अभी तक पुलिस ने 8 से 10 लोगों का पकडकर स्लीमनाबाद थाना लें आई है। गौरतलब है कि उक्त घटना मै पायलट विजय पांडेय व सैनिक राजकुमार परौहा घायल हुए थे। स्लीमनाबाद पुलिस ने दीपक यादव पिता मुरारी लाल यादव 38 वर्ष निवासी स्लीमनाबाद की शिकायत पर 10 से 15 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296 बी, 351(3), 121(1), 125ए, 132, 191(2), 191(3), 190, 324(4) के तहत अपराध क्रमांक 89/26 दर्ज किया गया। गौरतलब है कि गुरुवार की रात 8 बजे बंधी धरवारा रेलवे गेट हाइवा क्रमांक **pb** 10 **hn** 2438 बाइक सवार धरवारा निवासी राजा मैया कोल व राजेन्द्र कोल को टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर पहुंची पुलिस के 112 वाहन पर पथराव कर दिया था।

बांधवगढ़ की सरहद पर भालू, ग्रामीण पर किया हमला

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे इलाकों में अब इंसानी जिंदगी की कीमत कौडिय़ों के दाम रह गई है। शुक्रवार की देर शाम धमोखर परिक्षेत्र के रायपुर इलाके में एक खूंखार भालू ने 65 वर्षीय बुजुर्ग पर मौत बनकर हमला कर दिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने वन विभाग के सुरक्षा दावों की कलई खोलकर रख दी है। इलाके में दहशत का ऐसा मंजर है कि लोग अब अपने ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं। कुम्हर्रा गांव निवासी कमल सिंह शुक्रवार शाम रायपुर से गेहूं पिसवाकर अपने घर की ओर पैदल लौट रहे थे। महुआ हार के पास सूनसान रास्ते पर घात लगाए बैठे दो भालुओं ने उन्हें घेर लिया। इससे पहले कि बुजुर्ग संभल पाते, एक आक्रामक भालू ने उनके ऊपर छलांग लगा दी। भालू के नुकीले पंजों ने कमल सिंह की जांघ को बुरी तरह चीर दिया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने किसी तरह उनकी जान बचाई, वरना मंजर और भी खौफनाक हो सकता था। लहूलुहान हालत में बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद नींद से जागे वन विभाग के अमले ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचकर खानापूर्ति शुरू कर दी है। हालांकि, ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों का कहना है कि जब वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों (राजस्व क्षेत्र) में घुसकर शिकार कर रहे हैं, तो गश्ती दल कहाँ चैन की नींद सो रहा है? वन विभाग ने अब गांवों में मुनादी पिटवाकर अलर्ट जारी किया है।

औद्योगिक, पर्यटन, माइनिंग, महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन सहित कई मायनों में अहम है कटनी

पत्राचार एवं हवा हवाई दावों के बीच बीत गये 14 साल, आज तक नहीं मिल पाई हवाई पट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में वर्षों पुरानी हवाई पट्टी की मांग अधर में लटकी हुई है। जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं के मददेनजर हवाई पटटी के निर्माण का प्रस्ताव दशक भर से ज्यादा समय से फाइलों में सिमटकर रह गई है। औद्योगिक, माइनिंग, पर्यटन सहित कई मायनों में कटनी जिला खास अहमियत रखता है, बावजूद इसके उपेक्षित है। इसकी मुख्य वजह यह है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा गंभीरता के साथ ध्यान नहीं दिया जा रहा और अधिकारी भी सिर्फ पत्राचार तक सीमित हैं। मार्बल उद्योग, आयरनओर का बड़ा कारोबार, डोलोमाइट की पर्याप्त उपलब्धता, दुनिया में जाहिर कटनी का सेंड स्टोन, राइस मिलें, दाल मिलें, रेत की खदानें, परचून, सराफा और कपड़ा सहित सहित ड्रोन हब कटनी बनने जा रहा है, कई मायनों में कटनी जिला खास अहमियत रखता है। शहर व्यापारिक मिनी राजधानी है। आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में हवाई सुविधा कटनी के लिए बेहद जरूरी है, ताकि जिले में निवेश करने वाले लोग दिल्ली, मुंबई सहित बड़े महानगरों से आसानी से पहुंच सकें, देश-दुनिया के लोग शहर से जुड़ सकें, लेकिन कटनी में हवाई पट्टी बनाने के लिए घोषणा के 12 साल बाद भी अबतक इसमें कोई अमल नहीं हो पाया है।

गौरतलब है कि 2012 में खजुराहो इंटरनेशन ग्लोबल मीट का आयोजन हुआ था जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हवाई पट्टी बनाए जाने की बात कही थी। बजट में 2013 में एक लाख रुपये तत्कालीन विधायक गिरिराज किशोर पोद्दार ने स्वीकृत कराए, ताकि प्रोविजन होने से वह काम शासन की वर्किंग में आ जाए। एयर स्ट्रिप बनने से उद्योग, पर्यटन की दृष्टि से कटनी का विकास होगा। कुछ साल पहले मेक्सिको कंपनी आकर हवाई अड्डा बनाने के लिए सर्वेक्षण कर गई है, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री की घोषणा पर प्रशासनिक व जिम्मेदार विभाग ने गंभीरता से - ध्यान नहीं दिया है। वर्ष 2009 में तत्कालीन विधायक गिरिराज किशोर पोद्दार ने विधानसभा में प्रश्न लगाया और कहा कि कटनी जिले में हवाई पट्टी का निर्माण किया जाए। इस पर 6 अक्टूबर 2009 को कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को कलेक्टर की ओर से पत्र गया था कि अतिशीघ्र प्रक्कलन बनाकर दिया जाए। 11 जनवरी 2010 को कलेक्टर कार्यालय से सूचना आई कि विमानन विभाग को पत्राचार किया गया है। इसके बाद 19 फरवरी 2010 को सूचना दी गई कि 4 मार्च 2010 को सचिव विमानन विभाग को पत्र लिखा गया है। 17 जुलाई 2012 के जवाब में कहा गया सीएम ने बजट के आधार पर राज्य शासन द्वारा हवाई पट्टी निर्माण के लिए सैद्धांतिक निर्णय लिया गया।

कटनी देश का महत्वपूर्ण जंक्शन है। जंक्शन में होने के साथ ही देश के प्रमुख शहरों से रेल कनेक्टिविटी है। कटनी से मध्यप्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व बांधवगढ़, पन्ना, रीवा तक पहुंचने के लिए सुलभ मार्ग हैं। इन सुविधाओं को ध्यान में रखकर देशी और विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में कटनी पहुंचते हैं। मैहर धाम, शारदा धाम विगढ़, कोनिया धाम आदि पर्यटकों की सुविधा को भी ध्यान में रखकर हवाई पट्टी निर्माण आवश्यक है। किसी को इमरजेंसी में बेहतर इलाज की जरुरत पड़ जाए तो एयर एंबुलेंस से बड़े शहरों तक जल्दी पहुंचाना संभव नहीं है। जिलें में हवाई पट्टी निर्माण के बाद दूसरे शहरों तक पहुंचने में समय की बचत होगी।

व्यापारी से हथियारबंद बदमाशों ने की लूट, ओवरटेक कर स्कूटी से गिराया, साढ़े तीन तोले की चेन, नकदी लेकर फरार

रीवा। जिले मंनगवा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 09 स्थित मनगवॉ बस्ती में शुक्रवार रात एक व्यापारी के साथ लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई। तिवनी रोड मलकपुर तालाब के समीप दूरसंचार कार्यालय के सामने चार नकाबपोश बदमाशों ने स्कूटी सवार व्यापारी को ओवरटेक कर गिरा दिया और मारपीट कर सोने की चेन व नकदी लूटकर फरार हो गए।पीड़ित पियूष गुप्ता, निवासी मनगवॉ बस्ती, रोज की तरह मनगवॉ बस स्टैंड स्थित अपनी दुकान बंद कर पुराने बस्ती स्थित घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार चार बदमाशों ने उनकी स्कूटी को ओवरटेक कर उन्हें जबरन सड़क पर गिरा दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश हथियारों से लैस थे।गिराने के बाद आरोपियों ने लाठी से हमला कर पियूष गुप्ता के साथ बेरहमी से मारपीट की। हमलावरों ने उनके पैर पर वार किया, जिससे फ्रैक्चर हो गया। सिर और माथे पर भी गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के बाद बदमाश उनके गले से लगभग साढ़े तीन तोले वजनी सोने की चेन (लॉकेट सहित) और करीब 10 हजार रुपये नकद छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। गंभीर रूप से घायल पियूष गुप्ता को पहले रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए प्रयागराज रेफर किया गया है। शनिवार सुबह पीड़ित एवं उनके परिजन थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की।

महाशिवरात्रि आज: जानिए राशि अनुसार पूजन विधि

कटनी। इस महाशिवरात्रि में 25 साल बाद बन रहें हैं दुर्लभ संयोग मेष राशि वाले दूध तो कर्क वाले चढ़ाएं चमेली का तेल मीन वाले इत्र, महाशिवरात्रि पर आपकी राशि अनुसार मान्यता है कि अगर महाशिवरात्रि के दिन राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है.हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि को अत्यंत पवित्र और फलदायी पर्व माना गया है. यह हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसका भक्त पूरे वर्ष इंतजार करते हैं. हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को यह महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है. शिव उपासकों के लिए यह दिन विशेष साधना और आराधना का अवसर होता है. इस वर्ष महाशिवरात्रि 15 फरवरी को आ रही है, जिस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि यदि इस दिन अपनी राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल महादेव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है प्रसिद्ध आचार्य श्रीनाथ प्रपन्नाचार्य जी महाराज से जानते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन 12 राशियों के लिए कौन-कौन से उपाय शुभ माने गए हैं*वैसे तो शिवरात्रि में रात्रि के चार पहर के पूजन का अत्यधिक महत्व है जैसे प्रथम प्रहर सायम 6 बजे से 9 बजे रात्रि तक द्वितीय प्रहर रात्रि 9 से बजे से 12 बजे रात्रि तकतृतीय प्रहर रात्रि 12 बजे से 3 बजे रात्रि तक चतुर्थ प्रहर प्रातः 3 बजे से 6 बजे प्रातः तक यह शिवरात्रि के चार प्रहर हैं अर्थात शिव की रात्रि शिवरात्रि आइये अब जानते हैं राशिगत पूजन विधि। मेष- भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए महाशिवरात्रि वाले दिन मेष राशि के जातकों को भोलेनाथ को गायकी दूध अर्पित करने चाहिए और हलुआ गरीबों को तथा भक्तों को खिलायें ऐसा करने से भगवान शंकर जी कृपा सदैव बनी रहेगी.वृषभ- फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को इस राशि के जो जातक हैं, उन्हें भगवान शिव को दूध मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए और पूड़ी सब्जी खिलाये इससे उनके हर कार्य संपन्न होंगे । मिथुन- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को दही मिश्रित जल चढ़ाएं फलो का दान करें जिससे उनके आने वाले कष्ट समाप्त होंगे.। कर्क- महाशिवरात्रि के दिन कर्क राशि के जातक भगवान शिव को चमेली का तेल या इत्र अर्पित करें और खिचड़ी का दान करें जिससे उन्हें महादेव का विशेष आशीर्वाद मिलेगा। सिंह- भगवान शिव की विशेष कृपा पाने के लिए सिंह राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के मंदिर जाकर घी का दीपक जलाएं और गरीबों को खीर खिलायें ऐसा करने से उनके आने वाले सभी कार्य बिना किसी रुकावट के संपन्न हो सकेंगे।.कन्या- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि पर काले तिल और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें तथा केले का दान करें ऐसा करने से उनके रुके हुए कार्य जल्द पूरे होंगेतुला- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन महादेव की विशेष कृपा पाने के लिए शिव मंदिर जाकर जल में सफेद चंदन मिलाकर भगवान शंकर को चढ़ाएं और चावल का दान करें ऐसा करने से उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। वृश्चिक- महाशिवरात्रि के दिन वृश्चिक राशि के जातक भगवान शिव को जल और बेलपत्र चढ़ाएं. ऐसा करने से महादेव की विशेष कृपा प्राप्त होगी तथा लड्डू का दान करें। धनु- भोलेनाथ की विशेष कृपा पाने के लिए धनु राशि के जातक भगवान शंकर के मंदिर जाकर उन्हें जल अर्पित करें. इसके बाद तिल, जौ और चावल का दान करें. महादेव की कृपा मिलेगी। मकर- इस राशि के जातक भगवान शिव की असीम कृपा पाने के लिए महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर जाकर पूजन के बाद गरीबों को धन का दान करें. इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा। कुंभ- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन शिव मंदिर जाकर गुलाब का फूल तथा नीली वस्तु चढ़ाये भगवान के दर्शन के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराएं. इससे जीवन में अन्न और धन की कमी नहीं होगी.मीन- महाशिवरात्रि के दिन मीन राशि के जातक भगवान शंकर का रुद्राभिषेक करें. इत्र अवश्य चढ़ाये इसके बाद गरीबों को चावल, दाल, चीनी, सौंफ और सुपारी का दान करें।

फूफा ने भतीजे पर किया जानलेवा हमला

अमरकंटक। अमरकंटक नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत बांधा मुख मार्ग स्थित अनसुईया आश्रम में विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। साधु अनसुईया दास महाराज ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लंबे समय से आश्रम में निवासरत आदित्य कुशवाहा उर्फ अंगद (44 वर्ष) पर कथित रूप से लाठी-डंडों एवं धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूर्व अनसुईया दास द्वारा आदित्य कुशवाहा की पत्नी प्रीति कुशवाहा के साथ गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार किया गया। प्रीति कुशवाहा ने इसकी सूचना अपने पति को दी, जो उस समय ऑटो वाहन से यात्रियों को घुमा रहे थे।

जिसके साथ होना था विवाह उसी ने गला घोंट मार डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम खमरिया में एक युवक की संदिग्ध मौत के मामले की गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपिता को गिरफ्तार कर लिया है। यह सफलता वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देशन एवं मार्गदर्शन में रीठी पुलिस को मिली। गौरतलब है कि 11 फरवरी को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रीठी के ग्राम खम्हरिया में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है। मृतक की पहचान सुनील भुमिया पिता रमेश भुमिया 19 वर्ष निवासी ग्राम परसवाहा थाना विजयराघवगढ़ के रूप में हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची एवं मर्ग दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलित किए गए। शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें डॉक्टरों द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मृतक की मृत्यु गला घोंटे जाने के कारण हुई है। घटनास्थल का निरीक्षण, शव पंचनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया। गहन पूछताछ एवं साक्ष्यों के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया कि मृतक 10 फरवरी की रात अपनी होने वाली ससुराल ग्राम खम्हरिया आया था। वहां शराब सेवन के पश्चात उसका अपनी होने वाली पत्नी से विवाद हो गया।

गांव की रहन सहन पारम्परिक वेश-भूषा देखकर हुए गदगद

मानपुर ब्लॉक दमना गांव में पहुंचे फ्रांस के टूरिस्ट

परम्परा अनुसार हल्दी चावल और गुलाल से किया स्वागत

उमरिया।

मध्य प्रदेश शासन की प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिस्पांसिबल टूरिज्म के कॉन्सेप्ट पर काम करते हुए प्रदेश के ऐसे टूरिस्ट गांव में जहां पर प्राकृतिक रूप से सुंदरता झरना, खेती और अन्य प्रकार की गतिविधियां की जा सके ऐसे गांव का चयन कर वहां के निवासियों के सहयोग से होमस्टे के कॉन्सेप्ट के साथ होम स्टेट निर्माण किये जा रहे हैं जहां पर देशी व विदेशी अतिथि आकर वहां रहकर गांव के चूल्हे मे बना खाना,बैलगाड़ी में घूमने, बांस के बर्तनों की डिजाइन, मिट्टी से बनाए गए बर्तनों की जानकारी से आनंदित होते हैं।

गांव के समूह की महिलाएं अपने दिनचर्या की गतिविधियों में मेहंदी लगाना, साड़ी पहनाना, हाथ से रोटी बनाना, चटनी पीसना, अपने खेत से सब्जी तोडऩा आदि छोटी-छोटी गतिविधियों के द्वारा उन विदेशी मेहमानों को अपने भारतीय संस्कृति से प्रभावित कर रही हैं। होमस्टे में उमरिया जिले के मानपुर ब्लॉक के दमना गांव में फ्रांस के टूरिस्ट पहुंचे । जहां पर उनका स्वागत ग्रामीणों के व्दारा चावल, गुलाल से किया गया। टूरिस्ट ग्रामीण परंपरा से अवगत होकर गदगद हो गए । विदित हो कि दमना मरईकला और पनपथा में होमस्टे बनकर तैयार है। जो आने वाले दिनो में ग्रामीण जनों की आमदनी का जरिया बनेगा। बैलगाड़ी में गांव घूमना अपने आप में विदेशी मेहमानो के लिए बहुत ही नया अनुभव रहा। बघेलखण्ड के बरा, मुंगोरा, कढ़ी,मक्का की रोटी, कुटकी महुआ की खीर आदि देशी व्यंजनों का भरपूर स्वाद चखा। गांव में ही शाम को रामायण का पाठ भी किया गया। गांव के (टाईगर होमस्टे) चन्द प्रकाश शुक्ला (महूआ होमस्टे) कमलेश गुप्ता (बांधवी होमस्टे) बालमुकुंद शुक्ला (चुआ होमस्टे) रामप्रताप सिंह (डिअर होमस्टे) संगीत सिंह के होमस्टे में रुके। मानव जीवन विकास समिति के द्वारा अनुवादक के लिया यथार्त जी भोपाल से,गाइड के रूप में भानु शर्मा, लोकल गाइड रामप्रकाश पटेल उपस्थित रहे। साथ में गांव की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

आदिवासी लड़की के साथ दुष्कृत्य के आरोपियों को पहुंचाया जेल

पन्ना। जिले के अमानगंज थाना अन्तर्गत पण्डवन पुल के पास की घटना विगत दिवस की बताई जा रही है पुलिस के द्वारा जिसमें एक आदिवासी लड़की जो पण्डवन घूमने अपने दो दोस्तों के साथ गई वहीं दो लोग जिन्होंने इनको डरा-धमकाकर जबरन लड़की के साथ दुष्कृत्य किया फरियादिया के साथ घटना विगत दिवस की थाना अमानगंज में फरियादिया ने रिपोर्ट की अमानगंज पुलिस ने 24 घंटे के अंदर उक्त आरोपियों को साथ ही मोटर साइकिल सहित धरा गया वहीं वैधानिक कार्यवाही को अंजाम देते हुये माननीय न्यायालय में पेष किया गया जहां से आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया। यहां आदिवासी लड़की के साथ जो दिन-दहाड़े बल पूर्वक दुष्कृत्य का मामला जो किया गया जिसको लेकर पुलिस ने तत्परता पूर्वक कार्यवाही को तो अंजाम दे दिया आखिर यह मामला अपने आप में कहीं न कहीं सुरक्षा व किस तरह से दोस्ती व वहीं कई तरह के प्रष्न खड़े कर रहे है।

'एक दिन' का एक नया पोस्टर आया सामने ...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर जुनैद खान और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'एक दिन' के निर्माताओं ने फिल्म का एक प्यारा सा पोस्टर जारी किया। पोस्टर में साई पल्लवी को एक मफिन पकड़े हुए देखा जा सकता है, मानो वह जुनैद को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दे रही हों। दोनों एक दूसरे को प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं, जिनमें स्नेह और मिठास झलक रही है। एक गर्मजोशी भरे, रोमांटिक सर्दियों के माहौल में फिल्माए गए इस पोस्टर में जुनैद और साई के किरदार बर्फ से ढकी सड़क पर कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए, हल्की मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। दोनों ने आरामदायक सर्दियों के कपड़े पहने हैं, जिससे पोस्टर में ऐसा लग रहा है मानो वे अपनी ही दुनिया में खोए हुए हों।

लाइफ Style

मृणाल

'सिंगल' होने का दिया अपडेट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है?" यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

रवि उदयावर की ओर से निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

तलाक के बाद निकोल का

पहला पोस्ट

लॉस एंजेलिस। वैलेंटाइन डे' प्यार का दिन माना जाता है। लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं है कि वैलेंटाइन डे मनाने के लिए आपका रिलेशनशिप में होना जरूरी हो। अगर आप सिंगल हैं, तो भी आप खुद के लिए कुछ खास करके भी इसे मना सकते हैं। इसी का उदाहरण दिया मशहूर एक्ट्रेस निकोल किडमैन। ऑस्कर जीत चुकीं निकोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह बेड पर आराम करती नजर आ रही हैं। फोटो में उन्होंने गुलाबी और सफेद धारियों वाली शर्ट पहनी हुई है। खिड़की से आती धूप उनके चेहरे पर पड़ रही है और वह काफी शांत और खुश नजर आ रही हैं।

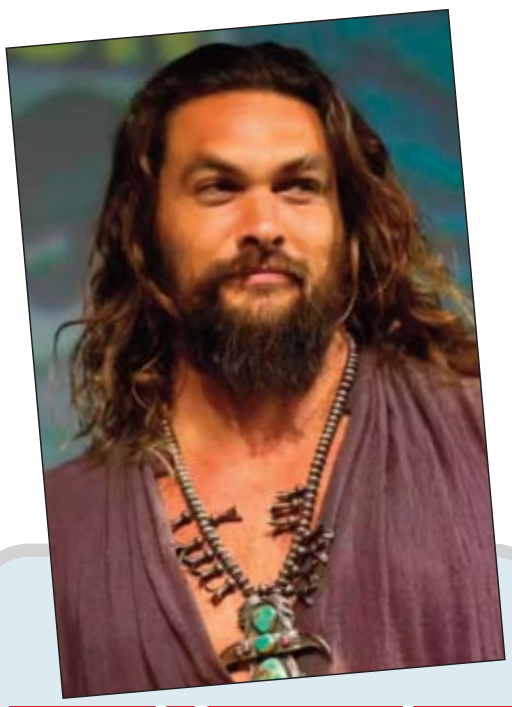

'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे जेसन

लॉस एंजेलिस। अपनी आगामी फिल्म 'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे हॉलीवुड स्टार जेसन मोमोआ ने शाहरुख की तारीफ की है। शाहरुख से अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए जेसन ने कहा कि हां, वह बहुत हैंडसम हैं। जब जेसन से पूछा गया कि पहली मुलाकात में दोनों ने किस बारे में बात की, तो उन्होंने कहा कि हम दोनों आपसी दोस्त और एक-दूसरे के काम के प्रशंसक हैं। वह बहुत ही प्यारे इंसान हैं। वह बेहद विनम्र थे। वह मुझसे बेहतर अभिनेता और कलाकार हैं। इसलिए यह आपसी सम्मान की बात थी। जेसन मोमोआ के करियर की बात करें तो 1999 में टीवी शो बेवॉचः हवाई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 2011 में गेम ऑफ थ्रोन्स के पहले सीजन में खाल ड्रोगो का किरदार निभाया।

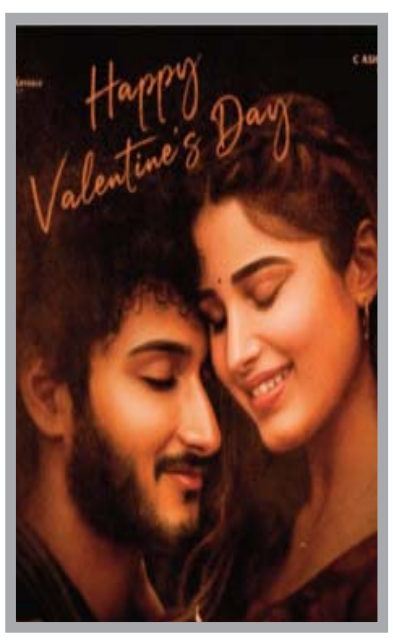

राशा की तेलुगु फिल्म का पोस्टर आउट

मुंबई। अभिनेत्री राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, "हैप्पी वेलेंटाइन डे।" राशा ने पोस्ट कर लिखा,"बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखो... मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांसों को महसूस कर सकूं।"

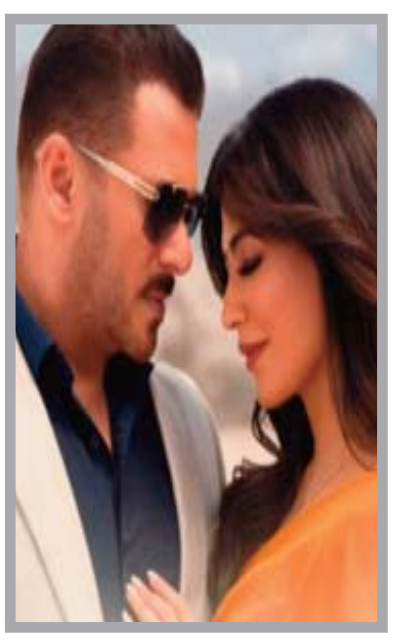

बैटल ऑफ गलवान का गाना रिलीज...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म "बैटल ऑफ़ गलवान" का रोमांटिक गाना "मैं हूं" रिलीज हुआ। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के इस गाने में उनकी लविंग केमिस्ट्री दिखाई गई है। सलमान खान फिल्म्स ने इस गाने को अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया। इससे पहले "मातृभूमि" गाना रिलीज़ हुआ था, जिसे 50 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ मिले थे। मेकर्स ने स्पेशल ट्रैक "मैं हूं" 14 फरवरी को रिलीज़ किया था। यह गाना एक सैनिक और उसके परिवार के रिश्ते की इमोशनल कहानी दिखाता है। मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया और इसका ऑफिशियल लिंक भी रिलीज किया। यह ट्रैक परिवार के साथ बिताए खुशी के पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से अलग होने तक की एक इमोशनल जर्नी दिखाता है।

टीवी मसाला

रश्मि देसाई को दो बार बदलना पड़ा अपना नाम

मुंबई। टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं रश्मि देसाई आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस नाम से देश उन्हें जानता है, वह उनका असली नाम नहीं है। उनकी पहचान के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है, जो दो बार बदले गए नाम से जुड़ा हुआ है। रश्मि देसाई का जन्म 13 फरवरी 1986 को असम के नागांव में हुआ था। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ। इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले रश्मि का असली नाम शिवानी था। जब उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया, तब उन्हें नाम बदलने की सलाह दी गई, ताकि नया नाम किस्मत के लिए शुभ साबित हो। इसके बाद शिवानी ने अपना नाम बदलकर दिव्या रख लिया। इसी नाम से उन्होंने अपने करियर की शुरुआती कोशिशें शुरू कीं। दिव्या नाम से उन्होंने शुरुआत में कई प्रोजेक्ट्स किए, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पा रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनके पास काम आने भी बंद हो गए थे। उसी समय एक ज्योतिष मित्र की सलाह पर उन्होंने एक बार फिर नाम बदलने का फैसला लिया। इसके बाद दिव्या से वह रश्मि देसाई बनीं। यही नाम उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। नाम बदलने के बाद न सिर्फ काम मिलने लगा, बल्कि उनकी पहचान भी बनने लगी।

बचपन की तस्वीरों में छुपा श्रुति का मिजाज

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, "किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है।" अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, "मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा।" श्रुति अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' में नजर आएंगी।

महाशिवरात्रि पर हंसराज रघुवंशी ने रिलीज किया 'महादेव की शादी' भक्ति गीत...

मुंबई । महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले म्यूजिक इंडस्ट्री भी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी है। भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक रोज नए शिव भक्ति गीत रिलीज हो रहे हैं, लेकिन अब शिव भक्ति से सराबोर गीत गाने वाले सिंगर हंसराज रघुवंशी ने महादेव की शादी से जुड़ी रस्मों का नया गीत रिलीज किया है, जिसमें देवताओं से लेकर असुर बाबा की बारात में मस्तमौला अंदाज में नाच रहे हैं। हंसराज रघुवंशी का नया भक्ति गीत 'महादेव की शादी' रिलीज हो चुका है, और गीत को सिंगर ने अपने आधिकारिक चैनल पर रिलीज किया है। गीत में शिव बारात का वर्णन किया गया है कि कैसे भस्म और नागों से बाबा श्रृंगार कर मां पार्वती को ब्याहने ले जा रहे हैं। गीत के बोल और बीट दोनों ही शानदार हैं, जो पूरी तरह डांसिंग वाइब दे रही है। गीत के सिंगर और कंपोजर खुद हंसराज हैं, जबकि गीत के बोल दीप फतेह ने लिखे हैं। 'महादेव की शादी' के बोल मिस्ता बाज़ ने लिखे हैं और प्रोड्यूस कोमल सकलानी ने किया है, जो सिंगर की पत्नी हैं।

पैपराजी पर भड़कीं धुरंधर की आयशा

मुंबई। एक्ट्रेस आयशा खान का करियर इन दिनों ऊपर चढ़ रहा है। उन्होंने फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' पर अपने डांस से सबका दिल जीत लिया है और खूब तारीफें बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म 'तू या मैं' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं और पैपराजी को डांट लगाई। दरअसल, जब आयशा खान पैपराजी को पोज दे रही थीं, तो एक ने उनसे पीछे मुड़ने को कहा। इसी बीच, एक और पैपराजी ने ऐसा कमेंट किया, जिससे एक्ट्रेस नाराज हो गईं। आयशा ने पैपराजी को डांटते हुए कहा, तुम अपनी इज्जत खुद कमाते हो और खुद ही खो देते हो। प्लीज ऐसा मत करो। अच्छा नहीं लगता। इसके बाद आयशा गुस्से में वहां से चली गईं। आयशा खान के इस वायरल वीडियो के बाद फैंस उनके सपोर्ट में आगे आ रहे हैं और पैपराजी को गलत फोटो खींचने के लिए डांट रहे हैं। वहीं, कुछ लोग आयशा को ट्रोल कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयशा ओवरएक्टिंग कर रही हैं। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में आई थीं। उन्होंने शो में वाइल्ड कार्ड के तौर पर एंट्री की थी, लेकिन मुनव्वर फारूकी के साथ उनके लव-हेट रिलेशनशिप ने खूब ध्यान खींचा।

बॉलीवुड अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर

इश्क की परतें खोलती बॉलीवुड की सदाबहार प्रेम कहानियां

मुंबई। बॉलीवुड फिल्में अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर हैं। हालाँकि, हिंदी सिनेमा ने कुछ ऐसी फ़िल्में भी बनाई हैं, जो हमेशा खुश नहीं होतीं, लेकिन आखिर में हमें सच्चा प्यार करना सिखाती हैं। ये ऐसी फ़िल्में नहीं हैं,जो दिल टूटने को कुछ समय के लिए दिखाती हैं। बल्कि, ये दिखाती हैं कि हर लव स्टोरी का अंत अच्छा नहीं होता। खामोशी, जुदाई और इमोशनल संघर्ष से भरी ये फ़िल्में कुछ वाकई खूबसूरत लेकिन दिल तोड़ने वाली कहानियां पेश करती हैं, फिर भी ये इमोशन का एक डोज भी देती हैं जो दिल को सुकून देता है।

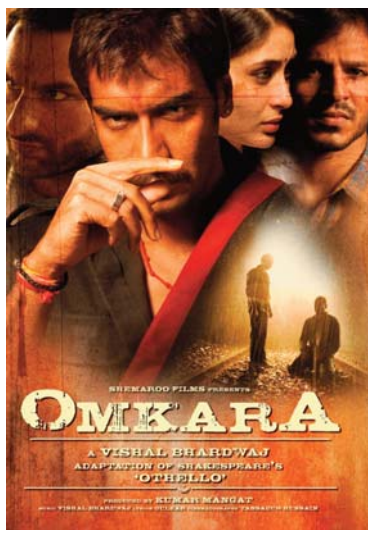

ओमकारा (2006) : ओथेलो का यह अडैप्टेशन दिल टूटने को धोखे और भरोसे के तौर पर दिखाता है। प्यार धोखे और धोखे की वजह से खत्म होता है, जिससे तबाही होती है। विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान,करीना कपूर और अजय देवगन हैं।

रॉकस्टार (2011) : रॉकस्टार प्यार के बारे में है, लेकिन दर्द लंबे समय तक रहता है। रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। जॉर्डन के तौर पर, उसका दिल टूटने का असर उसकी पर्सनैलिटी और कामों पर पड़ता है, यहाँ तक कि उस लड़की को खोने के बाद भी, जिससे वह प्यार करता है। हालाँकि, हीर (नरगिस फाखरी) जॉर्डन की जिंदगी में वापस आती है, लेकिन उसे पाने के बाद उसे फिर से खोया हुआ देखना एक दिल तोड़ने वाला अनुभव है।

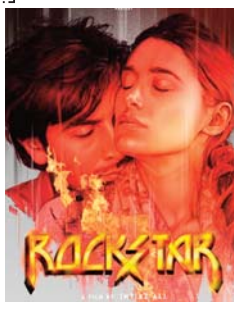

आशिकी 2 (2013) : श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर, आशिकी 2 रोमांस से ज़्यादा ट्रेजेडी के बारे में है। यह म्यूज़िकल लव स्टोरी दिखाती है कि कैसे नशा और सेल्फ-इमेज प्यार पर हावी हो सकते हैं।

सनम तेरी कसम (2016) : जो एक खूबसूरत लव स्टोरी के तौर पर शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक दिल तोड़ने वाली कहानी में बदल जाती है। हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारिंग, यह सनम तेरी कसम एक ऐसी फिल्म है जो दिल टूटने को एक हालत के तौर पर दिखाती है, न कि कुछ समय के लिए।

लुटेरा : 2013 में रिलीज हुई लुटेरा, ओ. हेनरी की शॉर्ट स्टोरी "द लास्ट लीफ" से इंस्पायर्ड है, जो जुदाई और कुर्बानी के जरिए दिल टूटने की कहानी दिखाती है। यह दिल टूटने के दर्द को शांत और सधे हुए तरीके से दिखाती है। विक्रम आदित्य मोटवानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं।

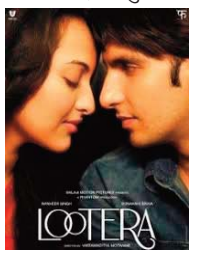

लैला मजनू (2018) : लैला मजनू का यह नया वर्जन जुनून और तड़प का जश्न मनाता है। इंतजार, दिल टूटने और खोए हुए भरोसे की इसकी कहानी किसी की भी आंखों में आंसू ला देगी। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की यह फिल्म दुख को ऐसे तरीके से दिखाती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।